सुरक्षा जाल में कमियां

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (गवर्नेंस) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

15 जनवरी, 2022

सरकार को ऐसे समय में नरेगा के कार्यान्वयन में खामियों को दूर करने, अनियमितताओं को कम करने की जरूरत है, जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

पिछले दो वर्षों में, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने महामारी से उत्पन्न आर्थिक कठिनाई को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस योजना के तहत परिवारों द्वारा मांगे गए काम में वृद्धि हुई है क्योंकि गैर-कृषि रोजगार के अवसर कम हो गए हैं और लाखों प्रवासी मजदूर अपने गांवों में लौट आए हैं। 2020-21 में, महामारी के पहले वर्ष, 11.19 करोड़ व्यक्तियों ने योजना के तहत काम किया, जो कि 2019-20 में 7.88 करोड़ था। चालू वित्त वर्ष में अब तक 9.52 करोड़ लोग इसका लाभ उठा चुके हैं।

अपनी ओर से, केंद्र सरकार ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2020-21 में योजना के आवंटन को बढ़ाकर 1.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया।

चालू वित्तीय वर्ष में 73,000 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के अलावा, हाल ही में अतिरिक्त आवंटन किया गया है। इस प्रकार यह चिंता का विषय है कि ऐसे समय में झारखंड राज्य में जिस तरह से योजना को लागू किया जा रहा है, उसमें विसंगतियां सामने आई हैं। वे परेशान करने वाले सवाल उठाते हैं और उन खामियों की ओर इशारा करते हैं जिन पर प्रशासन को तत्काल गौर करने की जरूरत है।

जैसा कि इस पत्र में बताया गया है, झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग की सामाजिक लेखा परीक्षा इकाई (एसएयू) ने अनियमितताओं के कई उदाहरणों का दस्तावेजीकरण किया है।

कई मामलों में, लेखा परीक्षा ने पाया कि श्रमिकों को रिकॉर्ड में सूचीबद्ध किया गया था लेकिन वे कार्य स्थलों से गायब थे। ऐसे उदाहरण जहां लाभार्थियों ने ठेकेदारों के साथ सौदे किए हैं, जिससे उन्हें कटौती के बदले मस्टर रोल पर अपने नाम का उपयोग करने की अनुमति दी गई है, या स्थानीय काम करने वालों के बजाय ठेका श्रमिकों को नियुक्त करने वाले ठेकेदार भी प्रकाश में आए हैं। ऑडिट में देरी, कार्य स्थल पर मस्टर रोल में कोई उपस्थिति दर्ज नहीं होना, विक्रेता को भुगतान के बावजूद कोई सामग्री आपूर्ति नहीं होना, बिना काम के मजदूरी भुगतान" और काम पूरा होने के बावजूद जमीनी स्तर पर न मिलना, पाया गया।

यह देखते हुए कि ऑडिट कुछ कार्य स्थलों तक सीमित नहीं था- यह राज्य की लगभग एक चौथाई पंचायतों में आयोजित किया गया था- इन निष्कर्षों, और उनके द्वारा उठाए गए प्रश्नों को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता है।

चूंकि भारत में कल्याण कार्यक्रमों में लीकेज, समावेश और बहिष्करण की समस्याओं से प्रभावित होने की प्रवृत्ति है, ऐसे ऑडिट सामाजिक सुरक्षा वास्तुकला में अंतराल की पहचान करने और प्रणालियों और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए दिशा प्रदान करने में एक मूल्यवान उद्देश्य प्रदान करते हैं।

ऐसे समय में जब रोजगार गारंटी योजना अनौपचारिक श्रम बल के बीच संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है- राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे महामारी के दौरान "उद्धारकर्ता" कहा है- यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए ताकि ऐसी अनियमितताओं को कम किया जा सके।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन सा कथन मनरेगा को लेकर सही है?

(क) चालू वित्त वर्ष में आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में कम था।

(ख) चालू वित्त वर्ष में अब तक 9.52 करोड़ लोग इसका लाभ उठा चुके हैं।

(ग) 2020-21 में इस योजना के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया गया।

(घ) उपर्युक्त सभी।

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Which of the following statements are correct regarding MGNREGA?

(a) Allocation in the current financial year was less as compared to the previous year.

(b) In the current financial year so far 9.52 crore people have availed it.

(c) Rs 1.1 lakh crore was allocated for this scheme in 2020-21.

(d) All of the above.

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. 'कोविड-19 महामारी में मनरेगा जैसे गारंटी रोजगार कार्यक्रमों का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है, किंतु इसको लेकर केंद्र-राज्य सरकारों की लापरवाही सामने आती रहीं हैं।' इस कथन का विश्लेषण करें। (250 शब्द)

Q. 'It is very important to have guaranteed employment programs like MNREGA in the Covid-19 pandemic, but the negligence of the central-state governments has been coming to the fore regarding this.' Analyze this statement. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।